यांत्रिकी अभियंत्रण विभाग
मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद
प्रयागराज -211004
Mechanical Engineering Department
Motilal Nehru National Institute of Technology Allahabad
Prayagraj - 211004 (India)

पत्रांक सं0 926/हिन्दी कार्यशाला/2024 दिनांक 31/07/2024

रिपोर्ट (आख्या)
एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला
"टिप्पणी लेखन, पत्र लेखन एवं राजभाषा नियम"

यांत्रिकी अभियंत्रण विभाग, मोतीलाल नेहरू प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद, प्रयागराज के द्वारा **"टिप्पणी लेखन, पत्र लेखन एवं राजभाषा नियम"** विषय पर एक–दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन जून 28, 2024 को प्रातः 10:30 बजे डॉ0 अवधेश नारायण, विभागाध्यक्ष (कार्यवाहक), यांत्रिकी अभियत्रण विभाग के समन्वयक की भूमिका के माध्यम से माननीय प्रो0 आर0 एस0 वर्मा, निदेशक, मोतीलाल नेहरू प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद की शुभकामना एवं शुभाशीष से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

माननीय प्रो0 आर0 एस0 वर्मा, निदेशक महोदय के कथनानुसार :– हिन्दी राज भाषा का संबोधन करते हुए कहा भारत एक विकासशील देश है, कहा जाता है कि क्षेत्रीय भाषाओं में भारत जैसे देश में चुनौतियॉ और अवसर की बात करें तो अब इसको राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल चुकी है, यह एक बहुत बड़ा अवसर है। हिन्दी राज भाषा की बात करे तो संस्थान मे शिक्षण कार्य हिन्दी भाषा में किया जा सकता है। समस्त कार्यालय एवं विभाग/अनुभागों में हिन्दी में कार्य शुरू किया जा चुका है। इसी संवाद के साथ माननीय प्रो0 आर0 एस0 वर्मा, निदेशक महोदय ने कार्यक्रम को आगे बढाते हुए अपनी बात को विराम दिया।

श्री प्रवीण श्रीवास्तव के कथनानुसार :– हिन्दी कार्यशाला में हिन्दी राज भाषा नियम का संबोधन करते हुए कि विभागीय स्तर पर जो कार्य किये जा रहे है चाहे वह कार्यालय कार्य सम्बन्धी हो या चाहे वे शिक्षा के क्षेत्र में हो या प्रयोगशालाओं की मशीनों के क्षेत्रों में हो इनका संकलन हिन्दी में किया जाना अति–आवश्यक है। संस्थान में शिक्षा ग्रहण कर रहे समस्त छात्र–छात्राओं के पाठ्य सामाग्री हिन्दी में किया जाना सुनिश्चित किया जाये। जिससे कि विभाग में शिक्षा ग्राहण कर रहे छात्रों/छात्राओं को सरलता मिल सके। संस्थान में तकनीकी शिक्षा को अत्याधिक उपयोगी कैसे बनाया जा सके इस बात पर भी चर्चा किया। चुनौतियॉ और अवसर दोनो ही शिक्षा के क्षेत्र में अत्याधिक महत्वपूर्ण योगदान रखती है, भाषा संचार का माध्यम है। भारत में अनेको भाषाएँ बोली एवं अनेको लिपियॉ लिखी जाती हैं। हिन्दी भाषा का जितना अधिक उपयोग/प्रयोग किया जायेगा वह उतनी ही अधिक विकसित होती है। संस्थन में विभिन्न देशों के छात्र/छात्राएं शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते है। अभ्यास के माध्यम से संसाधनों का निर्माण किया जा सकता है। इसी संवाद के साथ कार्यक्रम को आगे बढाते हुए अपनी बात को विराम दिया।

<u>श्री अमरेन्द्र कुमार चौधरी के कथनानुसार :–</u> हिन्दी राज भाषा नियम का संबोधन करते हुए बताया कि चुनौतियों एवं अवसरो के बारे में अपने विचारो को व्यक्त किया और कहा कि हमारी शिक्षा राष्ट्रीय स्तर के साथ–साथ अन्तर्राष्ट्रीय भी क्यो न रहे। हमारी शिक्षा गुणवत्तापूर्ण है। अंग्रेजी के साथ–साथ हिन्दी द्विभाषी भाषा में शिक्षा का होना अधिक उपयोगी है। समाजिक क्षेत्र से जुडना है और यहॉ की समस्याओं को समझना है तो अपनी भाषा में ही समझना है। हमारी भाषा हिन्दी के साथ साथ सरल और अधिक उपयोगी होनी चाहिए। संस्थान के तकनीकी क्षेत्र में हिन्दी द्विभाषी भाषा में शिक्षा अधिक उपयोगी एवं महात्वपूर्ण होगी। भारत में अनेकों भाषाओं का समावेश है। शिक्षा के क्षेत्र में भाषा का क्या महात्व है यह समझना अति–आवश्यक है। छात्र/ छात्राओं को हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनो भाषाओं में शिक्षा ग्रहण कराया जाये। सम्पूर्ण विश्व में विभिन्न प्रकार की भाषाओं का उच्चारण किया जाता है। वर्तमान समय मे अनेको क्षेत्रों में जानकारी का होना आवश्यक है, चाहे वे शिक्षा के क्षेत्र में हो, चाहे उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हो, चाहे तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में हो, चिकित्सा के क्षेत्र मे हो, या फिर चाहे आधुनिक शिक्षा के क्षेत्र में हो, विश्व के किसी भी क्षेत्र में हो आवश्यक है। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अनेको अवसर प्रदान किये गये है। इसी संवाद के साथ कार्यक्रम को आगे बढाते हुए अपनी बात को विराम दिया।

उपरोक्त विषय **एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला "टिप्पणी लेखन, पत्र लेखन एवं राजभाषा नियम"** मे अमंत्रित समस्त (66 प्रतिभागियों) को प्रमाण पत्र भी दिए गये एवं प्रतिभागियों ने अपने–अपने विचारों को विस्तृत रूप से व्यक्त/साझा करते हुए हिन्दी राज भाषा संगोष्ठी को सुखद एवं प्रभावपूर्ण बनाने में सहयोग प्रदान किया।

31/07/2024

(रोशन कुमार होता)
संयोजन, हिन्दी कार्यशाला

मुकुल 31/07/24

(मुकुल शुक्ला)
आचार्य एवं विभागाध्यक्ष

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
यांत्रिकी अभियंत्रण विभाग
मो०ने०रा०प्रौ०सं० इलाहाबाद, प्रयागराज

"टिप्पणी लेखन, पत्र लेखन एवं राजभाषा नियम"
पर आयोजित एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला
दिनांक 28 जून 2024
यांत्रिकी अभियंत्रण विभाग द्वारा
मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद
प्रयागराज - 211004, उत्तर प्रदेश, भारत
श्री अमरेन्द्र कुमार चौधरी
श्री प्रवीण श्रीवास्तव
हिन्दी अधिकारी, इ०वि०
आचार्य रमा शंकर वर्मा
निदेशक
डॉ0 अवधेश नारायण
विभागाध्यक्ष, यांत्रिकी अभियंत्रण विभाग(कार्य)